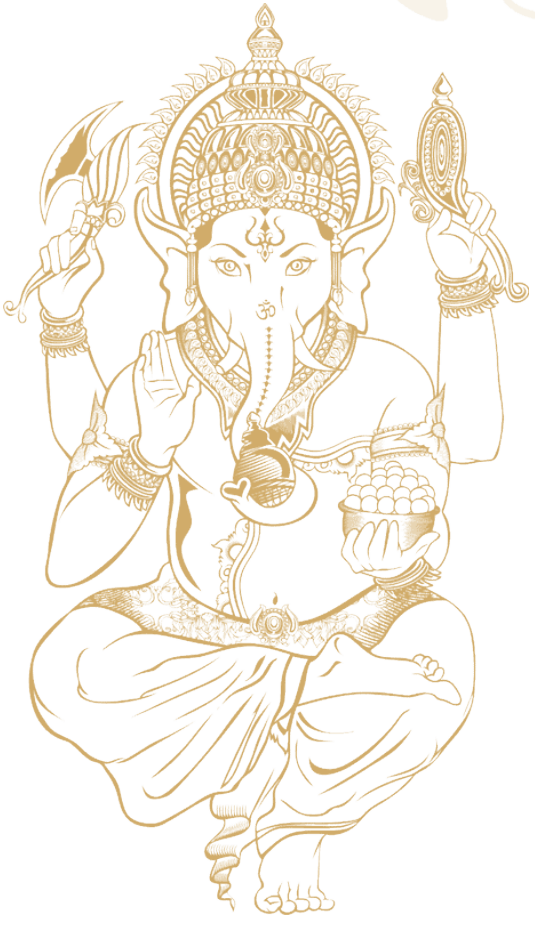

Priya kaur

01 Jan 2002

11:45 AM

Shahjahanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121733103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/01/2002**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:45:00 घंटे**
इष्ट	11:48:15 घटी
स्थान	**Shahjahanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:53:00 उत्तर
रेखांश	79:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:34:40 घंटे
वेलान्तर	-00:03:26 घंटे
साम्पातिक काल	18:17:36 घंटे
सूर्योदय	07:01:42 घंटे
सूर्यास्त	17:26:06 घंटे
दिनमान	10:24:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:46:07 धनु
लग्न के अंश	12:19:45 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वैधृति
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	12:19:45	508:46:41	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	---
सूर्य			धनु	16:46:07	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	11:01:03	14:32:03	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	स्वराशि
मंगल			कुंभ	23:11:30	00:43:54	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			मक	02:06:25	01:32:36	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	16:45:04	00:08:08	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	13:36:31	01:15:30	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि	व		वृष	15:25:37	00:03:48	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	03:16:51	00:01:44	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	03:16:51	00:01:44	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष			मक	28:35:24	00:02:47	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	13:34:23	00:02:05	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:09:57	00:02:09	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
दशम भाव			धनु	10:09:11	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:50

लग्न-चलित

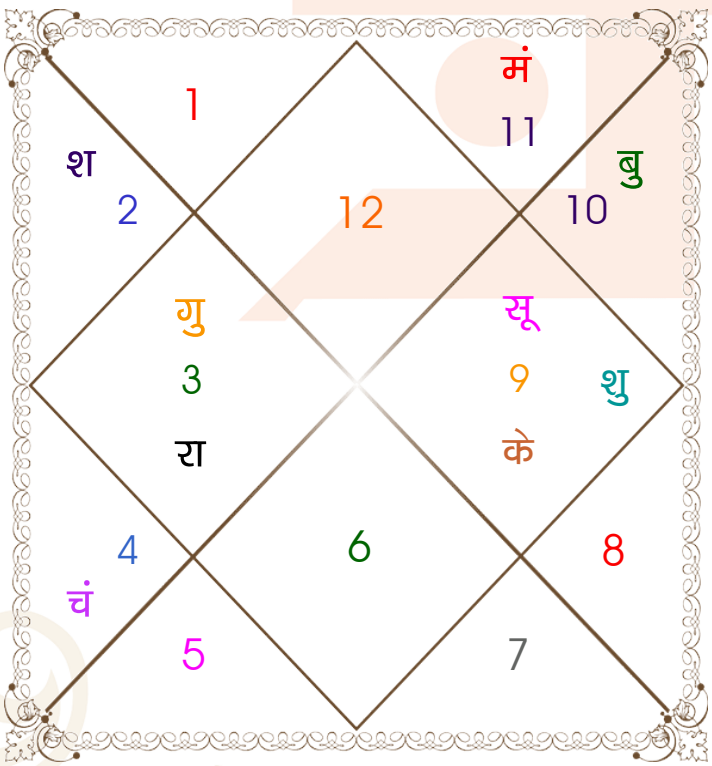

चन्द्र कुंडली

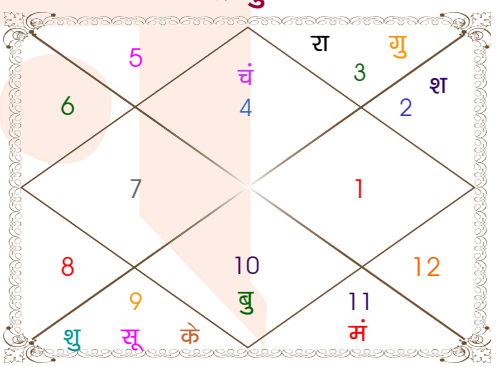

नवमांश कुंडली

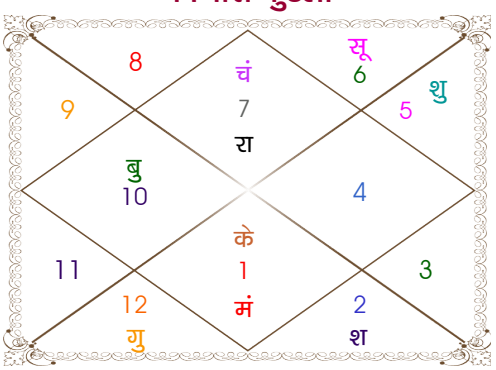

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 0 मास 18 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/01/2002		19/01/2010		20/01/2027		19/01/2034		19/01/2054	
19/01/2010		20/01/2027		19/01/2034		19/01/2054		20/01/2060	
	00/00/0000	बुध	17/06/2012	केतु	18/06/2027	शुक्र	21/05/2037	सूर्य	09/05/2054
	00/00/0000	केतु	14/06/2013	शुक्र	17/08/2028	सूर्य	21/05/2038	चंद्र	07/11/2054
	00/00/0000	शुक्र	14/04/2016	सूर्य	23/12/2028	चंद्र	20/01/2040	मंगल	15/03/2055
	00/00/0000	सूर्य	18/02/2017	चंद्र	24/07/2029	मंगल	21/03/2041	राहु	07/02/2056
	01/01/2002	चंद्र	21/07/2018	मंगल	20/12/2029	राहु	21/03/2044	गुरु	25/11/2056
चंद्र	24/07/2003	मंगल	18/07/2019	राहु	07/01/2031	गुरु	20/11/2046	शनि	07/11/2057
मंगल	01/09/2004	राहु	04/02/2022	गुरु	14/12/2031	शनि	19/01/2050	बुध	14/09/2058
राहु	09/07/2007	गुरु	11/05/2024	शनि	22/01/2033	बुध	19/11/2052	केतु	20/01/2059
गुरु	19/01/2010	शनि	20/01/2027	बुध	19/01/2034	केतु	19/01/2054	शुक्र	20/01/2060

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/01/2060		19/01/2070		19/01/2077		20/01/2095		21/01/2111	
19/01/2070		19/01/2077		20/01/2095		21/01/2111		00/00/0000	
चंद्र	19/11/2060	मंगल	17/06/2070	राहु	02/10/2079	गुरु	09/03/2097	शनि	23/01/2114
मंगल	20/06/2061	राहु	06/07/2071	गुरु	25/02/2082	शनि	20/09/2099	बुध	02/10/2116
राहु	20/12/2062	गुरु	11/06/2072	शनि	01/01/2085	बुध	27/12/2101	केतु	11/11/2117
गुरु	20/04/2064	शनि	21/07/2073	बुध	21/07/2087	केतु	03/12/2102	शुक्र	11/01/2121
शनि	19/11/2065	बुध	18/07/2074	केतु	08/08/2088	शुक्र	03/08/2105	सूर्य	24/12/2121
बुध	21/04/2067	केतु	14/12/2074	शुक्र	08/08/2091	सूर्य	22/05/2106	चंद्र	02/01/2122
केतु	20/11/2067	शुक्र	13/02/2076	सूर्य	02/07/2092	चंद्र	21/09/2107		00/00/0000
शुक्र	21/07/2069	सूर्य	20/06/2076	चंद्र	01/01/2094	मंगल	27/08/2108		00/00/0000
सूर्य	19/01/2070	चंद्र	19/01/2077	मंगल	20/01/2095	राहु	21/01/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 0 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगी। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगी। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकती हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगी। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकती हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगी न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगी। आप अच्छी प्रकार जानती हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगी। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव की प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाती हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाती है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंचा किला बनाती है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखती हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहती है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझती हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमी के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहती हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करती हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखती हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगी कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकती है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करती रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगी। आप अपने अच्छे पति, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकती है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकती हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।